## श्रम विभाग दिनांक 29 मई, 1985

स०ग्रो०वि०/23045.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं खरैती राम मल्होत्रा कन्सटीच्यूटि आथोरटीड-कम जनरल मैंनेजर हुण्डे वाला फार्म, जगाधरी, के श्रीमक श्री बुध राम तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हैते निर्दिश्ट करना वाछनीय समझते हैं।

इसलिए, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय अम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :---

नया श्री बुध राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है? सं॰ श्रो॰वि॰/23051.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ खरैती राम मल्होल्ला कन्सटीच्यूटिड प्रथोरटी कम जनरल मैंनेजर, हुण्डे वाला फार्म, जगाधरी, के श्रमिक श्री लेख राज नथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद-लिखित-धामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इस लिए, श्रव श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गिक्तयों का श्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1984, द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री लेख राज की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं भ्रो वि / 23057. चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं खरैती राम मल्होत्रा कन्सटीच्य्टिड ग्राथोरटी-कम-जनरल, मैंनेजर, हुण्डे वाला फार्म, जगाधरी, के श्रमिक श्री चन्दन तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों, का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3(44)84—3—श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984, द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा भामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त भामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री चन्दन की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हुकदार है ?

## दिनांक 30 मई, 1985

संब्धो विव |पानीपत | 43-85 | 23261. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं विहिन्दुस्तान रोलिंग एण्ड वायरज (प्राव) लिव, 41/4, बहालगढ़, सोनीपत, के श्रमिक श्री मुला राम तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक चिवाद है;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इसलिए ग्रब, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान का गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 9641-1-श्रम/70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, को साथ पठित सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 3864-ए-एस.ग्रो.(ई)श्रम-70/1348, दिनांक, 8 मई, 1970, द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा है 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उस सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है, या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:—

. क्या श्री मुला राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यद्भि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ? जे. पी. रतन, उप-सचिव ।